

:: स्वयंसेवी संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति (EOD) आमंत्रण ::

जनपद उत्तरकाशी के ग्राम पंचायतों में गठित युवक एवं महिला मंगल दलों तथा ग्राम पंचायत में अवस्थित स्कूलों में आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण, प्राथमिक उपचार एवं जन जागरूकता कार्यक्रम करावाये जाने हेतु जनपद में कार्यरत स्वयं सेवी संस्थाओं जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत/नवीनीकृत हों, जिनके पास सामुदायिक विकास कार्यक्रम, आपदा प्रबन्धन आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यो का अनुभव हो, से अभिरुचि की अभिव्यक्ति का प्रस्ताव आमंत्रित की जाती है। अभिरुचि जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कार्यालय, उत्तरकाशी में दिनांक 10 दिसम्बर, 2019 से दिनांक 23 दिसम्बर, 2019 को 12:00 बजे तक जमा की जायेगी। प्राप्त अभिरुचि समिति के द्वारा इसी दिन अपराह्न 2:00 बजे खोली/पत्रों का परीक्षणोपरान्त आख्या प्रस्तुत की जायेगी। इच्छुक स्वयंसेवी संस्था उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त जानकारी तथा अभिरुचि प्रपत्र वेबसाइट— <https://www.uttarkashi.nic.in> एवं <https://www.ddmauttarkashi.in> से डाउनलोड किया जा सकता है।

ह0/-

अध्यक्ष,

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/
जिला मजिस्ट्रेट, उत्तरकाशी।

कार्यालय— जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी।

पत्रांक— 1966 /तेरह-आ.प्र.प्राधि./2019-20

दिनांक 10 दिसम्बर, 2019

प्रतिलिपि— निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. जिला सूचना अधिकारी, उत्तरकाशी को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उक्त अभिरुचि अभिव्यक्ति की सूचना 02 प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में शासकीय दरों में प्रकाशित करवाते हुये पेपर कटिंग इस कार्यालय को उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें।
2. आपदा प्रबन्धन अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, उत्तरकाशी को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उक्त अभिरुचि अभिव्यक्ति की सूचना तथा अन्य आवश्यक प्रपत्र जनपद की वेबसाइट पर अपलोड करने करना सुनिश्चित करें।

—44
प्रभारी अधिकारी,
कृते—जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

कार्यालय— जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी।

दूरभाष नम्बर-01374-222126, (1077 टोल फ्री), फैक्स-222722, मो0.7500337289 ईमेल- ddmauttarkashi@gmail.com

पत्रांक- 1966/तेरह-आ.प्र.प्राधि./प्रशिक्षण (मंगल दल)/2019-20

दिनांक 10 दिसम्बर, 2019

जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्डों के ग्राम पंचायत पर गठित युवक मंगल दलों व महिला मंगल दलों तथा ग्राम पंचायत में अवस्थित स्कूलों में आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण, प्राथमिक उपचार एवं जन जागरूकता करावाये जाने हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं को अभिरुचि प्रस्तुत करने हेतु निम्न शर्तों/दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है—

1. सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के अन्तर्गत नवीनीकृत पंजीकरण प्रमाण-पत्र।
2. संस्था के विगत 03 वर्षों के आय-व्यय की ऑडिट (लेखा) रिपोर्ट।
3. स्वयंसेवी संस्था का सामुदायिक विकास, आपदा प्रबन्धन आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण एवं जन जागरूकता में किये गये कार्यों का न्यूनतम 02 वर्षों का अनुभव।
4. स्वयंसेवी संस्था को इच्छुक विकासखण्ड का नाम दिया जाना अनिवार्य है।
5. स्वयंसेवी संस्था द्वारा आपदा प्रबंधन/खोज एवं बचाव सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यों हेतु 04 प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण, शैक्षिक योग्यता एवं कार्य अनुभव के प्रमाण पत्र।
6. संस्था के पास प्रशिक्षण, जनजागरूकता हेतु आवश्यक उपकरण जैसे— कम्प्यूटर, लैपटाप, ऑडियो विजुवल एड एवं खोज बचाव व प्राथमिक उपचार से सम्बन्धित उपकरणों आदि होना आवश्यक होगा तथा जिनका विवरण भी दिया जाना होगा।
7. स्वयंसेवी संस्था के पास रु. 5.00 लाख प्रतिवर्ष की कार्ययोजनाओं के वित्तीय क्रियान्वयन का अनुभव को तथा सरकारी एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं से प्रदत्त सहायता से संचालित कार्यों का अनुभव।
8. ऐसे गैर सरकारी स्वैच्छिक संगठन जिन्होंने जनपद में कार्य का अनुभव, जनपद आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में अथवा आपदा न्यूनीकरण प्रबन्धन केन्द्र या अन्य सरकारी संस्थाओं के साथ पूर्व में आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी प्रशिक्षणों में कार्य किया हो को प्राथमिकता दी जाएगी। इस हेतु पूर्व के प्रमाण पत्र/इकरारनामा/कार्यादेश संलग्न किये जाये।
9. सभी प्रकार के प्रमाण पत्र एवं दस्तावेजों की छाया प्रतियाँ स्व हस्ताक्षरित एवं प्रमाणित हों।
10. स्वयंसेवी संस्था के चयन हेतु गठित समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
11. अभिरुचि जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण कार्यालय, उत्तरकाशी में दिनांक 10 दिसम्बर, 2019 से दिनांक 23 दिसम्बर, 2019 को दोपहर 12:00 बजे तक पंजीकृत डाक से प्राप्त की जायेगी।
12. अभिरुचि प्रपत्र बेवसाईट— <https://www.uttarkashi.nic.in> एवं <https://www.ddmauttarkashi.in> से डाउनलोड किया जा सकता है।
13. दिनांक 23 दिसम्बर, 2019 को 12:00 बजे के पश्चात प्राप्त होने वाली अभिरुचि तथा प्रस्तुतीकरण में प्रतिभाग नहीं करने पर चयन हेतु आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।
14. उपरोक्तानुसार स्वयं सेवी संस्था उपरोक्त विवरणों के अनुसार दस्तावेजों को संलग्न करते हुये रुचि की अभियुक्ति के प्रस्तुतीकरण हेतु उपरोक्त दस्तावेजों/प्रपत्रों तथा न्यूनतम 04 प्रशिक्षकों सहित दिनांक 23 दिसम्बर, 2019 को अपराह्न 2.00 बजे जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी कार्यालय में चयनित समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होंगे।

—५५
प्रमारी अधिकारी,
कृते-जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

REQUEST FOR EXPRESSION OF INTEREST FOR APPOINTING NGOS

DISTRICT DISASTER MANAGEMENT AUTHORITY, Uttarkashi.

ASSIGNMENT TITLE: APPOINTMENT OF NON GOVERNMENT ORGNIZATIONS FOR TRAINING OF SEARCH & RESCUE , FIRST AID FOR RAGISTRED MAHILA AND YUVA MANGAL DAL AND ORGANIZING SCHOOL AWARENESS PROGRAM.

Uttarakhand has geographical area of 53,483 sq km; 93 percent of which is mountainous and 64 percent is under forest cover. 27th state of the Republic of India, Uttarakhand has two divisions; Garhwal and Kumaun. The state has 13 districts of which 07 (PauriGarhwal, TehriGarhwal, Chamoli, Haridwar, Dehradun, Uttarkashi, Rudraprayag) are in Garhwal while the remaining 06 (Almora, Bageshwar, Champawat, Nainital, Udham Singh Nagar, Pithoragarh) are in Kumaun. Geo – tectonic set up of the region together with its evolutionary history, geomorphology and meteorological characteristics make Uttarakhand prone to a number of natural hazards. Besides earthquakes the area is vulnerable to and frequently devastated by landslides, cloudbursts, flash floods, floods, avalanches, droughts, lightening, cold waves and hailstorms. Due to the ongoing tectonic movements the region has accumulated enormous strain that makes it susceptible to seismic tremors. The state falls in Zone IV and Zone V of Earthquake Zonation Map of India. Pithoragarh, Bageshwar, Chamoli and Rudraprayag districts together with some areas of Almora, Champawat, Tehri, Uttarkashi and Pauri district fall in Zone V while the remaining area falls in Zone IV. In the past the State has witnessed two major earthquakes (Uttarkashi 1991 and Chamoli 1999).

The marginal and deprived section of the society is always sufferers and is the most badly affected during disaster as it does not have resources to recover from social and economical losses caused by disaster. Awareness, training, capacity building and sensitization about the role of community in disaster situations are the key elements of disaster resilience that must be known to every section of the community. Enhancing capacities of the local community groups like Mahila Mangal Dal(MMD)and Yuva Mangal Dal(YMD) would definitely help in mitigating the losses due to disaster.

Registered community groups that include Mahila Mangal Dal (MMD) and Yuva Mangal Dal (YMD)exist throughout the state routinely undertake various community welfare programs these groups could be important stakeholders for community response in emergency situation. A total of 10,376 Yuva dals are registered in the state and by training the members of these groups a pool of first responders could be created throughout the state.

The concept of 'school safety' has evolved over the last couple of decades as the threat to the physical wellbeing of children has become more visible both globally and in the country. **"Comprehensive School Safety"** has emerged as the leading concept to address the nexus between disaster risk and the need for education and child protection before, during and after emergencies. Culture of safe school needs to be promoted for which mass awareness programs in schools are required.

The role of NGOs is crucial in all phases of disaster management as they have grass root presence and can facilitate co-ordination between community and government.

In view of above District Disaster Management Authority (DDMA) Uttarkashi, is to engage NGOs working in the field of Disaster Management and is willing to undertake capacity building programs for the members of registered **MAHILA AND YUVA MANGAL DAL** of the district and organizing awareness programs in identified schools in the district.

Scope of work

1. Selected NGO would have to organize the training program for **MAHILA AND YUVA MANGAL DAL** and awareness programs for schools.
2. The training program is to be organized for community groups. It is therefore necessary that the training program be organized in Hindi. Knowledge of the local dialects (Garhwali and Kumaoni) would be an added advantage.
3. The training program shall be of 05 days duration and would have to be organized at Gram Panchyat and as per the broad outline and schedule given at **annexure 1**.
4. Selected NGO will provide certificate of successful completion of training to the participants. The format of the same would be provided by the DDMA.
5. Soft and hard copy of the training report would have to be prepared and submitted to District Disaster Management Authority (DDMA) after each training program. Beside other things this should have complete details of the participants. Digital photographs, ID and contact details of all the participants would have to be submitted separately and same has to be uploaded on web site of USDMA.
6. Refreshment and lunch would be provided by NGO during training to **MAHILA AND YUVA MANGAL DAL**.
7. The participants would have to be provided stationary and reading material. (Reading material to be provided by DDMA).
8. Increasing knowledge and awareness on culture of safe schools by organizing awareness programs in schools (primary, junior and inter colleges) located in Gram Panchayat where training of **MAHILA AND YUVA MANGAL DAL** is being organized. Schedule of program given at **annexure 2**.
9. Refreshment would be provided by NGO during awareness program in schools as additional item along with MDM.

Interested NGOs should provide information demonstrating that they have relevant experience in disaster management related activities.

Short-listing Criteria

1. The NGO must be registered under Society Registration Act, 1860. (Attach relevant documents in support of the same.)
2. The NGO should have last three years audited balance sheet signed by authorized signatory of the organization.
3. The NGO should have at least 2 years working experience in providing Search & Rescue Course/ Disaster Preparedness Training/ Organizing Awareness Campaign in Disaster Management at village/block/district/state level. (Attach relevant documents in support of the same).
4. The NGO should demonstrate that they have enough capacity (including trained training personnel in disaster management or Search & Rescue Course(**Minimum 02**)/equipment's/ audio & visual aid etc.) of conducting training programs, particularly in the field of disaster management.
5. Average annual turnover for the previous three financial years ending on 31st March, 2018 should be equal to or greater than 05 lakh (Attach balance sheets and P&L accounts of last 3 years).
6. The applicant should not be under a declaration of ineligibility for corrupt and fraudulent practices or any other reason, whatsoever, or have not been blacklisted by the Government of India or any other government agency. (Submit declaration to this regard on your official letter head.)
7. All the documents must be signed and self-attested by authorized signatory.

Beside above Expressions of Interest (EOI) must include the following

- Introductory letter on letter head with complete contact detail- name of contact person, mailing address, telephone no., fax no., mobile no. , E-mail etc.
- Short note on the similar projects implemented by the consulting firm should also be attached.
- Bio-data of the key experts with experience in the field of disaster management working full time for the firm should also be included.
- Certified copy of Affiliation/Award/Appreciation by District Administration/State Government/Central Government or by any Government and Other Sector. If any.
- The NGO should provide a brief write up on how it would be making the program more impactful.

Further information can be obtained at the address below during office hours between 10:00 A.M. to 05:00 P.M. Expression of interest for Empanelment must be received in a written form to the address below (in person, or by postal mail) by 23-12-2019 up to 12:00 P.M and will be open on 23-12-2019 at 2:00 P.M.

Chief Executive Officer,
District Disaster Management Authority/
Additional District Magistrate, Uttarkashi.

**STRUCTURED QUESTIONNAIRE FOR APPOINTING NGOs
(TO BE SUBMITTED ALONG WITH EOI)
General Particulars of NGO**

Name of NGO		
Registration number		
Date of Registration		
Address of Registered Office		
Contact No.		
E mail		
Detail of contact Person	Name:	
	Phone No:	
	E-mail:	
Last three year Turnover	2017-0218	Rs.
	2016-2017	Rs.
	2015-2016	Rs.
Annual Turnover for above three financial year	Rs.	
Detail of experts/ Instructor/ Master Trainer (Minimum 04) (attach CV and certificate)		
Affiliation if any (attach)		
Equipment for Training and audio visual aid (attach separate sheet)		
Any Other Relevant Details		
Name of Block for which applied		

Signature & Seal of NGO

Syllabus For 05 days training program for MMD/YMD(Annexure 1)

Day One:

1. Introduction
2. Administrative Talk
3. Types of disasters (Natural & Man made)
4. Introductory Lecture on Disaster Scenario in Uttarakhand
5. Hazard vulnerability at local level
6. Disaster Management Plan
7. Community resource mapping

Day two:

1. Introduction of Equipment used in various Disasters
2. Lecture on Knots
3. Lecture on Do's and Dont's during various disasters.
4. Lecture on Jumaring, Practical on Jumaring.
5. Lecture in Rappelling , Practical on Rappelling
6. Lecture on Role of Rescue Team
7. Planning and Organization of Rescue Operation
8. Knot Practice

Day three:

1. Lecture on One man Rescue
2. Practical on One Man Rescue
3. Lecture on Method of Evacuation/ Carriage of casualty
4. Demo and Practice of Method of Evacuation/ Carriage of casualty (Hand Seats, Fireman Lift Etc)
5. Lecture, Demo and Practical on Improvise Stretcher.
6. Lecture on C-Pully& Z-Pully System
7. Knot Practice

Day four:

1. Practice on C-Pully & Z-Pull System
2. First Aid Lecture
 - 1.1 Use of Oxygen
 - 1.2 Various First Aid Techniques.
 - 1.3 CPR and use of splints.
 - 1.4 Do's and Don'ts
3. Lecture on Construction of Rope Bridge.
4. Practical on Construction of Rope Bridge.

Day five:

1. Lecture on River Crossing
2. Casualty Evacuation on River Practical.
3. Practical on River Crossing & rescuing
 - 3.1 Flying Fox
 - 3.2 Tyrolean Traverse and Monkey Crawling
4. Lecture on Equipment maintenance.
5. Practical on Rope Coiling
6. Mock Drill with trainees of various Rescue Attempts
7. Practical and written test of Trainees
8. Feedback and Test
9. Closing Ceremony

Syllabus For 01 day school awareness program (Annexure 2)

1. Introduction
2. Types of disasters (Natural & Man made)
3. Introductory Lecture on Disaster Scenario in India and Uttarakhand.
4. Do's and Don'ts during various disasters (Earthquake, landslide, flood, flash flood, fire)
5. Emergency contact details
6. School Disaster Management Plan.

**ESTIMATED BUDGET FOR TRAINING OF
MMD/YMD (PER TRAINING)
20 Participants**

S.NO.	HEAD	EXPENSES (In Rs.)
1.	Trainers (02)	10,000.00
2.	Fooding (@ 100 per person per day)	10,000.00
3.	Training Material (First Aid and Stationary)	1,000.00
4.	Travel, Monitoring, Documentation and Updation of data	3,000.00
5.	Refreshment for School Children	1,000.00
	Total	25,000.00

ahm